खाद की कीमतों में मनमानी से रिटेलर विक्रेता हुए नाराज, डीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उर्वरक रिटेलर (फुटकर विक्रेता) वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के बैनर तले शनिवार को जिले के सैकड़ों रिटेलर उर्वरक दुकानदार कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे और अपनी 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान रिटेलर दुकानदारों ने जिला .षि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल पर गम्भीर आरोप लगाते हुए जोरदार नारेबाजी की। वहीं जिला .षि अधिकारी मुर्दाबाद के नारों से कलेक्ट्रेट परिसर गूंज उठा। दुकानदारों का आरोप था कि जिला .षि अधिकारी की मिलीभगत से जिले में बढ़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हो रही है, जिससे फुटकर दुकानदारों को भारी नुकसान उठाना पढ़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष आदर्श कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में पहुंचे रिटेलर दुकानदारों ने कहा कि जिले में खाद वितरण की पूरी व्यवस्था चरमराई हुई है। उनके अनुसार यूरिया खाद होलसेलर उन्हें 385 रुपये प्रति बोरी में बेचते हैं जबकि शासन द्वारा किसानों को इसकी निर्धारित दर केवल 362 रुपये 50 पैसे है। ऐसे में दुकानदार घाटे में काम करने को मजबूर हैं। रिटेलरों का कहना है कि इस विषय में उन्होंने कई बार जिला .षि अधिकारी मोहम्मद मुजम्मिल से मिलकर शिकायत की और लिखित पत्र भी दिये, लेकिन न तो किसी पत्र पर जांच हुई और न ही कोई सुनवाई की गई। दुकानदारों का आरोप है कि इससे साफ होता है कि जिला .षि अधिकारी की मिलीभगत होलसेल खाद दुकानदारों से है और उनका हिस्सा भी तय है। रिटेलर दुकानदारों ने कहा कि अगर .षि अधिकारी निष्पक्ष होते तो अब तक जिले के बड़े–बड़े होलसेल दुकानों की जांच हो चुकी होती। उन्होंने आरोप लगाया कि श्री श्याम ऑटो सर्विस, दुर्गा दत्त शंकर लाल, राधे ट्रेडिंग कम्पनी और श्री श्याम ट्रेडिंग कम्पनी लम्बे समय से ओवररेटिंग और काला बाजारी में लिप्त हैं। लेकिन जिला .षि अधिकारी इनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय इन्हें संरक्षण दे रहे हैं। वहीं डीएम को दिये ज्ञापन में रिटेलर दुकानदारों ने 12 सूत्रीय मांगें रखीं, जिनमें प्रमुख बिन्दु ये रहें– पीओएस मशीन में ऐसा सिस्टम लागू हो जिससे यह पता चल सके कि किसान कितनी बार यूरिया ले चुका है। सभी रिटेलर दुकानदारों की बंद पढ़ी ‍ढ आईडी तत्काल चालू की जाये। रिटेलर दुकानदारों को खाद उचित दर पर उपलब्ध कराया जाये। जिले की सभी होलसेल दुकानों की जांच हो और दोषी माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई की जाये। खाद वितरण की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। वहीं रिटेलर दुकानदारों ने चेतावनी दी कि जिला .षि अधिकारी के रवैये और होलसेल दुकानदारों की मनमानी से उनका धैर्य टूट चुका है। यदि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द नहीं हुआ तो वे बढ़े पैमाने पर आन्दोलन करने को बाध्य होंगे। उनका कहना था कि सरकार किसानों को सस्ती दर पर खाद उपलब्ध कराने की नीति बनाती है, लेकिन अधिकारी और माफिया मिलकर उस नीति को ठेंगा दिखा रहे हैं। वहीं ज्ञापन और विरोध प्रदर्शन के दौरान जिले के कोने–कोने से आये सैकड़ों रिटेलर दुकानदार मौजूद रहे। जिनमें ओमप्रकाश त्रिपाठी, नीरज कुमार वर्मा, सत्यव्रत मिश्रा, विनोद कुमार शुक्ला, अशोक कुमार यादव, राजन सिंह समेत बढ़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे। सभी ने एकजुट होकर जिला .षि अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की और कहा कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं होता, उनका संघर्ष जारी रहेगा।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने आचार्यो का नहीं किया पदोन्नति, आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में सेवा दे रहे 2020 में नियुक्त शिक्षकों की पदोन्नति विश्व विद्यालय द्वारा अभी नहीं किया गया। जबकि यूजीसी नियमानुसार चार वर्ष पूर्ण होने के पश्चात विश्वविद्यालय शिक्षकों की पदोन्नति दे देता है। जिसको लेकर सेवा दे रहे शिक्षकों मे आक्रोश व्याप्त है। 6000 से 7000 स्केल पर होने वाली पदोन्नति बाधित होने के कारण प्रत्येक शिक्षकों के वेतन वृद्धि, एलाउन्स आदि से प्रतिमाह 10 से 15 हजार रूपये की क्षति होती है। जिसका भरपाई कौन करेगा। पदोन्नति में एसिशोसिएट प्रो0 से प्रो0 के पद पर जाने वाले डा0 जितेन्द्र सिंह, डा0 सच्चिदानन्द चौबे, डा0 सुनीता त्रिपाठी, सीनियर स्केल में डा0 रविकान्त शुक्ला, डा0 जय सिंह यादव, डा0 वन्दना गुप्ता, डा0 अरविन्द कुमार रावत, डा0 धर्मेन्द्र कुमार, डा0 प्रदीप पाण्डेय, डा0 हृदयकान्त पाण्डेय, डा0 यशवन्त यादव, डा0 नीरज सिंह, डा0 विमल चन्द्र वर्मा, डा0 सरिता सिंह, डा0 आभा द्विवेदी, डा0 अमित साहनी, डा0 मयंक कुशवाहा, डा0 शरदेंदु त्रिपाठी सहित बीस लोग शामिल है।

चोरों का तांडव जारी, दस दिन में दो गांवों में लाखों की हुई चोरी, चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर

दैनिक बुद्ध का संदेश

पकड़ी बाजार/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र चिल्हियां में चोरों ने अपना तांडव दिखाकर दहशत फैला रखी है। क्षेत्र में पिछले दस दिनों में दो गांवों में लाखों रुपए की चोरी हुई है। जिसके क्रम में शुक्रवार रात बेलगढ़ा गांव में चोरों ने सेंध काटकर (दीवार तोड़कर) शिवकुमार यादव के घर से ढाई लाख के जेवरात और पन्द्रह हजार रुपए नकद चुराकर रफूचक्कर हो गयें। इससे पूर्व 13 अगस्त को महादेवा गांव में नितेश श्रीनेत्र के घर से चार लाख रुपए की चोरी हुई थी। दोनों वारदातों में चोरों ने एक ही तरीके से दीवार तोड़कर चोरी किया है। बेलगढ़ा गांव की घटना में चोर घर से करीब पचास मीटर दूर एक बक्से से समान सहित माल लेकर और बक्सा छोड़कर फरार हो गये। पुलिस अब तक दोनों मामलों में किसी भी आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही है। महादेवा गांव की चोरी का मुकदमा तो अभी तक दर्ज भी नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पुलिस पहली चोरी की जांच ठीक से करती, तो दूसरी वारदात नहीं होती। एएसपी सिद्धार्थनगर प्रशान्त कुमार प्रसाद ने कहा कि वे बेलगढ़ा और महादेवा की चोरी के बारें में जानते हैं। उन्होंने सम्बन्धित थाने से मामले की जानकारी लेने की बात कही है। पुलिस की कार्यशैली से नाराज ग्रामीणों में आक्रोश है।

यूरिया खाद लेने पहुंचे किसानों पर चला पुलिस का हुआ लाठीचार्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ अन्तर्गत थाना क्षेत्र शोहरतगढ़ में शनिवार को यूरिया खाद लेने पहुंचे किसानों पर बिना कारण वश पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आपको बता दें कि क्षेत्र के ग्राम पंचायत करहिया टोला गुजरौलिया स्थित सघन सहकारी समिति पर यूरिया और डीएपी के लिए सुबह 9 बजे से ही करीब 200 किसान लाइन में लगे थे। समिति परिसर से लेकर सड़क तक लम्बी कतारें लगी थीं। तेज धूप में खड़े किसान घन्टों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच अचानक पुलिस दल मौके पर पहुंचकर बिना कारण बताए लाइन में खड़े किसानों पर लाठियां बरसा दीं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पुलिस ने सिर्फ लाठी नहीं चलायीं, बल्कि थप्पड़ और घूंसे भी मारे और महिलाओं के साथ धक्का–मुक्की भी की। इस दौरान भगदड़ मच गई, कई किसान गिरकर घायल हो गये। घायलों के हाथ–पैर और सिर में चोटें भी आयीं है। वहीं लाठीचार्ज में घायल हुए किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने स्थिति संभालने की बजाय बल प्रयोग कर दिया। हम सिर्फ खाद लेने आये थे, लेकिन हमारे साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया गया। हमें थप्पड़ मारे और गाली–गलौज भी किया गया। वहीं लाठीचार्ज से गुस्सायें किसानों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि खाद वितरण में पहले से ही अव्यवस्था है। कई बार घन्टों लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिल पाती। अब पुलिस का यह रवैया किसानों के दर्द को और बढ़ा रहा है। इस दौरान घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। कुछ किसानों ने घायल साथियों को प्राथमिक उपचार दिलाया जबकि गम्भीर रूप से चोटिल लोगों को अस्पताल ले जाया गया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। इतना ही नहीं किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आन्दोलन करेंगे। उनका कहना है कि जब भी खाद आपूर्ति में गड़बड़ी होती है, तो अधिकारियों और माफियाओं पर कार्रवाई करने के बजाय पुलिस किसानों पर ही सख्ती करती है। पीड़ित किसान–अशरफ ने बताया कि हम गुजरौलिया सरकारी सीमित सोसाइटी पर सुबह ही खाद लेने गये थे। हम अपने नम्बर में खड़े थे, जब हमारा नम्बर आया तो सचिव ने हमको अन्दर बुलाया। तभी मेरा आधार कार्ड गेट पर ही गिर गया, मैं वापस लेने जैसे ही आया, वैसे ही पुलिसवालों ने मुझे थप्पड़ मार दिया। इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता मुझे डण्डा लाठी से पीटने लगे और किसानों की भी पिटाई पुलिसवालों ने किया। प्रत्यक्षदर्शी किसान अजय चौरसिया ने कहा कि खाद लेने पहुंचे ही थे कि वहां पुलिस वालों ने किसानों पर लाठी बरसाना शुरू कर दिया। मैं भी वहां पर था। मुझ पर भी पीटने का प्रयास पुलिसवालों ने किया, लेकिन मैं वहां से भाग गया। लाठीचार्ज करने का कोई कारण नहीं था, किसान अपनी लाइन में खाद के लिए इंतजार कर रहे थे। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष शोहरतगढ़ बिन्देश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है, अगर ऐसा मामला सामने आया है, तो हजारों की भीड़ को नियन्त्रित करने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग कर दिया होगा।

मदरसे की बस से घायल युवक की 24वें दिन हुई मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

पथरा/सिद्धार्थनगर। थाना क्षेत्र पथरा अन्तर्गत एक मदरसे की बस से घायल हुए युवक संदीप सोनी की लखनऊ पीजीआई में शुक्रवार रात मौत हो गई। यह हादसा पाला गांव के पास 24वें दिन पहले हुआ था। नवयुवक संदीप के मौत की खबर मिलते ही शनिवार सुबह परिजन और ग्रामीण शव को लेकर बांसी–डुमरियागंज मुख्य मार्ग पर पहुंच गये। उन्होंने पुलिस प्रशासन और पथरा पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। आपको बता दें कि सड़क हादसे में तेज रतार मदरसे की बस ने संदीप को टक्कर मारी थी। गम्भीर हालत में उन्हें पहले जिला अस्पताल और फिर लखनऊ पीजीआई भेजा गया। परिजनों ने इलाज में लाखों रुपए खर्च किये। लेकिन संदीप की जान नहीं बच सकी। वहीं सड़क जाम से एम्बुलेंस, यात्री बसें और ट्रक फंस गये। वाहनों की लम्बी कतारें लग गई थी। मरीजों और यात्रियों को काफी परेशानी हुई। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी बस चालक और मदरसा प्रबन्धन को राजनीतिक संरक्षण मिला हुआ है। पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गयीं। उपजिलाधिकारी शशांक शेखर राय समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिजनों ने कहा कि जब तक आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होगी और प्रदर्शन जारी रहेगा।

सिविवि मे नौकरी के नाम पर ठगी, न्याय के लिए आवेदिका ने पीएम से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय मे संविदा कर्मी को स्थायी नौकरी ठगी के नाम परेशान आवेदिका ने पीएम से गुहार लगाई है। विश्व विद्यालय में कुलपति के ड्राइवर बस कन्डेक्टर पर रुपए लेने का आरोप लगाया गया। परमजीत बोलेरो गाड़ी लगभग 02 माह से चला रहे थे, विश्वविद्यालय में शोहरत पुत्र श्याम सुन्दर ग्राम तिलकहना थाना मोहाना बस कन्डेक्टर रोहित यादव पुत्र उदयराज यादव ग्राम मनिठहा थाना महाराजगंज जनपद जौनपुर एक साथ बस संचालक का कार्य करता है। दोनों ने परमजीत से 60,000 रुपये विश्व विद्यालय में स्थायी नौकरी के नाम पर लिया, अस्थायी परमजीत गाड़ी चलाने लगा। लगभग 01 माह 20 दिन तक गाड़ी चलाया, जिसका वेतन आदि भी जरिये विश्व विद्यालय बैंक ट्रेजरी से वेतन मिल रहा था। शेष बीस हजार का दबाव बनाने लगे,इसी बीच परमजीत जब सरकारी ड्राइवर नहीं बना तो अपना पैसा शोहरत से वापस मांगने लगा। रुपये ना मिलने पर सदमे में आ गया और उसकी हालत बिगड़ने से मौत हो गई। वहीं पत्नी का कहना है कि शेष रुपए लेने के दबाव में पति परमजीत का अचानक तबियत बिगड़ने से मौत हो गई। जांच रिपोर्ट में यह तय हुआ है कि विश्वविद्यालय के कुलपति के ड्राइवर ने रुपया लिया था। इन दोनों पर क्या कार्यवाही हुई। अभी सार्वजनिक नहीं हुआ। विवेचना में पैसे लेने और वापस करने की पुष्टि हुई है। विश्व विद्यालय द्वार बनाई गयी जांच टीम का रिपोर्ट विश्वविद्यालय कुलानुशासक को प्रेषित हुई है। कार्यवाही सार्वजनिक नहीं हुई। आवेदिका न्याय के लिए पीएमओ को आवेदन देकर उनसे न्याय की उम्मीद लगाए हुई है।

गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों की मनमानी से बच्चों का भविष्य खतरे में

विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर खड़े हो रहे प्रश्न

दैनिक बुद्ध का संदेश/सच्चिदानन्द मिश्रा

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के मन्नीजोत व धनोहरी में शिक्षा विभाग की नाक के नीचे वर्षों से कई ऐसे विद्यालय संचालित हो रहे हैं जिन्हें अब तक किसी भी प्रकार की मान्यता प्राप्त नहीं है। जैसे मलिक जूनियर हाईस्कूल जो किराए के मकान में संचालित हो रहा है, वहीं स्टार एजुकेशनल पब्लिक स्कूल में बिना मान्यता के हाईस्कूल तक की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है,विजिडम गुरुकुल स्कूल जैसे अन्य विद्यालय हैं इसके बावजूद इन विद्यालयों में अवैध रूप से कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में न तो पर्याप्त और गुणवत्ता वाले शिक्षक उपलब्ध हैं और न ही बच्चों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं। भवन में प्रवेश और निकास की समुचित व्यवस्था नहीं है, विद्यालय परिसर मानकों के विपरीत संचालित हो रहे हैं। न तो स्वच्छ पेयजल की सुविधा है और न ही सुरक्षित शौचालय। वहीं बच्चों को लाने–ले जाने की व्यवस्था भी तीन पहिया वाहनों के सहारे की जा रही है, जिससे हादसे का खतरा हमेशा बना रहता है। फीस व किताबों में मनमानी विद्यालय प्रबंधन अपनी मनमर्जी से फीस तय कर अभिभावकों पर बोझ डाल रहे हैं। इसके अलावा विद्यालय की किताबें भी प्रबंधन द्वारा दूसरे दुकान पर रख कर बेंचवाई जा रही है जिससे मनमानी वसूली की शिकायतें आम हैं। विभागीय मिलीभगत पर उठे सवाल सूत्रों के अनुसार यह विद्यालय लंबे समय से चल रहे हैं। विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतने वर्षों तक इनका संचालन संभव ही नहीं है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि खंड शिक्षा अधिकारी की उदासीनता साफ झलकती है, क्योंकि लगातार शिकायतों के बावजूद आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। बच्चों का भविष्य ऐसे विद्यालयों पर टिका है, जहाँ शिक्षा का स्तर मानकों से बहुत नीचे है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि विभाग समय रहते कार्रवाई नहीं करता तो बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा दोनों खतरे में पढ़ जाएंगे। क्षेत्रीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन व शिक्षा विभाग तुरंत ऐसे विद्यालयों की जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित करे ताकि बच्चों का भविष्य अंधकार में न जाए। वहीं इस मामले में खण्ड शिक्षा अधिकारी भनवापुर राजेश कुमार ने कहा कि दो से तीन दिन में मैं इन विद्यालयों पर जाऊंगा और जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

खेसरहा पुलिस पर लापरवाही का आरोप, एसपी से शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। एक बार फिर जनपद की खेसरहा पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा है। आरोप है कि एफ.आई.आर. दर्ज करने के दो महीने बाद भी नामजद आरोपी के बिरुद्ध कोई नहीं कर रही है, जिसकी शिकायत थानाक्षेत्र के खेसरहा अंतर्गत मदुआपुर निवासी जगदीश गौड़ ने एसपी से की है। जगदीश गौड़ ने एसपी को सम्बोधित प्रार्थना पत्र में लिखा कि वह खेसरहा थाने पर लगभग 2 माह पूर्व एफ. आई.आर दर्ज कराया था। साथ ही लिखा कि मेरी पत्नी सावित्री देवी का नामित अभियुक्तगण द्वारा पहुचायी गयी चोटो से व गला दबाकर हत्या कर देने के मामले में दर्ज करायी गयी थी । परन्तु इस गंभीर प्रकरण में अबतक कोई गिरतारी नहीं हुई है। जबकि विवेचक द्वारा अभियुक्तों से पूछताछ की जा चुकी है। विवेचना अधिकारी राकेश त्रिपाठी द्वारा आई.जी. आर.एस. की जाँच में गलत रिपोर्ट यह लगाया गया कि दूबर की लड़की नन्दनी उपरोक्त से वाद विवाद हुआ था। उसी दौरान आवेदक बेचन गौड़ की पत्नी का अचानक तबीयत बिगड़ गई जो परिवार के लोग जिला अस्पताल सिद्धार्थनगर लेकर गये, जहाँ मृत्यु हो गयी। साथ यह भी लिखा कि अभियुक्तगण खुलेआम घूम रहे हैं तथा अभियुक्तगणों के द्वारा गाली गुप्ता देते हुए जान से मारने की धमकी तथा मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। फर्जी प्रार्थना पत्र चोरी से संबंधित थाने पर देना, गाली गलौज करना व अन्य .त्य अभियुक्तगण द्वारा की जा रही है। पोस्ट मार्टम के अनुसार मुख के दाहिनी कोने में रक्तस्राव मिला, दाहिनी फेफड़े में कालापन व पीलापन दिखाई पढ़ रहा है। बाये फेफड़ें में पीला रंग, काला पड़ना और अन्दर से पस पाय गया है। हृदय में सभी चेम्बर खाली, पेट में लगभग 150 ग्राम खून और खून के थक्के पाया गया। मोर्टिस रिमार्क चारो अंग पर निशान पाया गया है। विरोधीगण काफी मनबढ़ व दबंग किस्म के व्यक्ति है। साथ ही एसपी सिद्धार्थनगर से उपरोक्त मामले को गंभीरता को .ष्टिगत रखते हुये अभियुक्तगणों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही करने की बात कही है।

बैदौला चौराहे पर लगा वाटर कूलर कई महीनों से खराब

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत डुमरियागंज के बैदौला चौराहे पर लगा वाटर कूलर कई महीनों से खराब है। स्थानीय लोगों ने इस समस्या को लेकर नगर पंचायत में कई बार शिकायत दर्ज करायीं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला।स्थानीय निवासी मोहम्मद वासिफ फारुकी, मलिक मुमताज और दिनेश श्रीवास्तव ने इस मुद्दे को सामने रखा। उन्होंने कहा कि वाटर कूलर की मरम्मत के लिए बार–बार अनुरोध किया। मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। इस सम्बन्ध में नगर पंचायत डुमरियागंज के अधिशासी अधिकारी सचिन कुमार से जब इस बारें में पूछा गया तो उन्होंने आश्वासन देकर कहा कि वे जल्द ही वाटर कूलर का निरीक्षण करेंगे। साथ ही इसकी मरम्मत का काम भी करवायेंगे।